पंचम अध्याय

निष्कर्ष, व्याख्या और शोध सार

Regional Institute of Education
LIBRARY
Bhopal

पंचम अध्याय

निष्कर्ष, व्याख्या और शोध सार

5.0.0 प्रस्तावना

प्रथम अध्याय में शोध की आवश्यकता, उद्देश्य, सीमाकंन प्रस्तुत किया गया है। संबंधित सहित्य का पुनराअवलोकन द्वितिय अध्याय में सारांश के साथ दिया गया है। अनुसंधान विधि, उपकरण, तथ्य संग्रह की प्रकिया एवं प्रदत्तों का विश्लेषण की विधि तृतीय अध्याय में वर्णन किया गया है। आंकड़ों के संकलन एवं सारणीयन तथा सांख्यिकीय विधियों के प्रयोग के बाद प्राप्त निष्कर्षो का विश्लेषण एवं उनकी व्याख्या का महत्वपूर्ण स्थान है। चतुर्थ अध्याय में उद्देश्यों के अनुसार शोध का परिणाम और निष्कर्ष दिया गया है। इस अध्याय में उद्देश्यों के अनुसार शोध का निष्कर्ष एवं व्याख्या विभिन्न बिंदुओं में प्रस्तुत किया गया है।

5.1.0 निष्कर्ष

1. बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय के विज्ञान शिक्षण पाठ्यक्रम, सामान्य मुद्दे को अंशतः पूरा करती है। लेकिन क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल का विज्ञान शिक्षण पाठ्यक्रम, सामान्य मुद्दे को ज्यादा पूरा करती है।

2. बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय के बीएड पाठ्यक्रम विज्ञान शिक्षण के विषय वस्तु के विभिन्न दिशाओं (Dimension) या मुद्दे (Issue) को अंशतः पूरा करती है। क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान विज्ञान शिक्षण पाठ्यक्रम के विभिन्न दिशाओं (Dimension) या मुद्दे (Issue) को ज्यादा पूरा करती है।

3. बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय और क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल के बीएड का विज्ञान शिक्षण पाठ्यक्रम के मूल्यांकन प्रणाली में काफी अंतर है। क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान में सत्तः और आंतरिक मूल्यांकन होता हैं।

4. क्षेत्रीय शिक्षण संस्थान का शिक्षण अभ्यास, दिशा–निर्देशन, पाठ्य सहगामी कार्य, सत्रीय कार्य, इंटर्नशिप (40 दिन) तथा शिक्षण विधियां, प्रायौगिक कार्य आदि बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय के विज्ञान शिक्षण में शिक्षण विधियां, सूक्ष्म शिक्षण, पाठ्योजना, इंटर्नशिप (15 दिन) आदि से ज्यादा प्रभावशील है।

5.2.0 क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल और बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय बी.एड. पाठ्यक्रम के विज्ञान शिक्षण के सामान्य मुद्दे का तुलनात्मक अध्ययन

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान सामान्य मुद्दे को बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय के तुलना में ज्यादा पूर्ण करती है। क्योंकि यह एन.सी.ई.आर.टी. के अंतर्गत एन.सी.एफ. 2005 द्वारा पूर्णवृत्ति पाठ्यक्रम को चलाता है किंतु बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय में ऐसा नहीं है। अतः वह पूर्ण तरह से सामान्य मुद्दे को पूरा नहीं है। साक्षात्कार में सामान्य

मुद्दे के अंतर्गत हमनें देखा है कि बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय बहुत शॉर्ट विशेषज्ञों ने कहा है कि यह पाठ्यक्रम परिवर्तन होना चाहिये।

कोठारी कमीशन (1964-66) में कहा है कि बच्चों का भविष्य चार दीवारों के अंदर हो रहा है अतः भावी शिक्षक तैयार करने के लिये प्रशिक्षक होना चाहिये। इसलिये बी.एड. का पाठ्यक्रम भविष्य के आधार पर निर्माण होना चाहिये। किंतु यह मुमकिन नहीं है। क्योंकि समय बदलता रहता है। इस तरह तकनीकी में भी परिवर्तन होता रहता है। इसलिये वर्तमान में सामान्य मुद्दे को अंततः पूरा किया जा सकता है।

5.3.0 क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल और बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय के बी.एड. पाठ्यक्रम के विज्ञान शिक्षण पाठ्यक्रम के विषय वस्तु का तुलनात्मक अध्ययन

विषय वस्तु अंतर्गत शोधकर्ता नें यह देखा है कि क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान का बी.एड. पाठ्यक्रम दो साल है और बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय का एक साल का है। इसी अंतर को देखने से ही पता चलता है कि दो साल में विषय वस्तु पर लचीलापन ला सकते हैं। किंतु एक साल के बी.एड. पाठ्यक्रम में इतना प्रभाव देखने को नहीं मिलता है शोधकर्ता द्वारा लिए गए साक्षात्कार में विशेषज्ञों द्वारा हमनें यह पाया है कि अगर बी.एड. दो वर्ष का होता है तो हमारे भविष्य के शिक्षक प्रशिक्षण प्रभावशील व्यक्तित्व वाले तैयार हो सकते हैं। किंतु समय के अनुसार शिक्षकों की आवश्यकता होने के कारण अर्द्ध सरकारी संस्थाऐं खोले गये, जिससे शिक्षकों की गुणवत्ता घटती जा रही है। इसको सुधारने के लिये बी.एड. के विषय वस्तु तथा इसकी पद्धति में आधुनिक समय की पद्धतियों को प्रयुक्त किया जाए तो यह विषयवस्तु को पूर्णतः पूरा कर सकता है।

एन.सी.ई.आर.टी. ने एन.सी.एफ–2005 के द्वारा बनाया गया बी.एड. पाठ्यक्रम की रूपारेखा को तैयार किया गया है क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान एन.सी.ई.आर.टी. की एक इकाई है इसलिए क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान का बी.एड. पाठ्यक्रम एन.सी.एफ–2005 द्वारा बनाए गए पाठ्यक्रम को पूर्ण करता है, जबकि बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय एन. सी.एफ–2005 के पाठ्यक्रम को पूरा करने कोशिश करता है इसलिए क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान ज्यादा प्रभावशील है।

5.4.0 क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल और बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय के बी.एड. पाठ्यक्रम के विज्ञान शिक्षण पाठ्यक्रम के मूल्यांकन का तुलनात्मक अध्ययन

भोपाल के क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान और बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय के विज्ञान शिक्षण पाठ्यक्रम में मूल्यांकन में काफी अंतर पाया गया है। बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय के बी.एड. पाठ्यक्रम के विज्ञान शिक्षण विषय का मूल्यांकन सैद्धांतिक पाठ्यक्रम का आधारित है। तथा क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान का बी.एड. पाठ्यक्रम के विज्ञान शिक्षण विषय का मूल्यांकन नवाचार पद्धति पर आधारित है। जिसमें आंतरिक मूल्यांकन, बाह्य मूल्यांकन, सतत् मूल्यांकन, आंकलन, गोष्ठी प्रयोजन, प्रायौगिक कार्य आदि को सम्मिलित किया गया है। शोधकर्ता द्वारा लिए गए विशेषज्ञों का मत है कि मूल्यांकन नवाचार पद्धति से होना चाहिये। जो एन.सी.एफ–2005 द्वारा बनाए गए पाठ्यक्रम की पुष्टी करता है।

5.5.0 क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल और बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय के बी.एड. पाठ्यक्रम के विज्ञान शिक्षण पाठ्यक्रम के विधियां, सूक्ष्म शिक्षण, पाठयोजना, इंटर्नशिप का तुलनात्मक अध्ययन

इस उद्देश्य के अंतर्गत शोधकर्ता ने यह देखा है कि सूक्ष्म शिक्षण, पाठ्योजना, इंटर्नशिप, शिक्षा पद्धति में काफी अंतर देखने को मिला है। क्षेत्रीय शिक्षण संस्थान में इंटर्नशिप 40 दिन होती है जो एन.सी.एफ. और एन.सी.टी.ई. के अनुसार है किंतु बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय में यह सिर्फ 15 दिनों की है। इसी के साथ समय और पद्धति में भी काफी अंतर है।

अतः यह कह सकते हैं कि क्षेत्रीय शिक्षण संस्थान में दो साल का पाठ्यक्रम होने के कारण हम पाठ्यक्रम में विविधता, विविध पद्धतियां, इंटर्नशिप, समय आदि में विविधता को लागू कर सकते हैं। और इसके अलावा शोधकर्ता ने सक्षात्कार में विशेषज्ञों के मतों से देखा है कि दो साल का बी.एड. पाठ्यक्रम अधिक प्रभावशाली होता है। किंतु साथ-साथ में यह भी कहा है कि बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय भी एक साल के अंतर्गत इसके सभी उद्देश्यों को पूरा करने की कोशिश करते हैं।

5.3.0 उपसंहार

प्रस्तुत शोध अध्ययन में शोधकर्ता ने बी.एड. पाठ्यक्रम के विज्ञान शिक्षण के पाठ्यक्रम की तुलना करने के बाद यह निष्कर्ष निकाला है। क्षेत्रीय शिक्षण संस्थान, एन.सी.ई.आर.टी. के अंतर्गत होने के कारण वह एन.सी.एफ. 2005 और एन.सी.टी.ई. के नियमों को लागू करता है। और एन.सी.ई.आर.टी. का यह उद्देश्य है कि इस संस्थान से निकलने वाले प्रशिक्षकों को एक उत्तम शिक्षक की भूमिका अदा कर सके। और यह क्षेत्रीय शिक्षण संस्थान अपने क्षेत्र में एक आदर्श शिक्षा महाविद्यालय की भूमिका अदा करता है और इसके अंतर्गत निकलने वाले परिणाम अच्छे हैं तो वह अपने क्षेत्र की

अन्य शिक्षा महाविद्यालय में लागू कर सकते हैं। बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय में बी.एड. का पाठ्यक्रम एक साल का है इसमें भी एन.सी.टी.ई. के द्वारा मान्य पाठ्यक्रम को चलाया जाता है। इसमें भी शोधकर्ता ने देखा है कि एक वर्षीय के अंतर्गत काफी कार्यक्रम को पूर्ण करने का प्रयास करते हैं। जो शिक्षक अध्यापक में विविधता, सृजनात्मकता, विचारशीलता और कौशल का विकास करता है। इसके अंतर्गत काफी परिवर्तन देखने को मिलता है। अंत में कोई भी पाठ्यक्रम सभी उद्देश्यों को पूर्ण तरह से पूरा नहीं कर सकता है।

5.4.0 शोध सारांश

प्रस्तुत शोध में शोधकर्ता ने शोध सारांश निम्न प्रकार से दिया गया है, जो इस प्रकार है।

5.4.1 अध्ययन की आवश्यकता

विद्यालय में शैक्षणिक गुणवत्ता को बढ़ाने के लिये बी.एड. प्रशिक्षण की कई संस्थाएँ खोली हैं। क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान में बी.एड. दो वर्ष का होता है। बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय में बी.एड. एक वर्ष का होता है। दोनों में एक साल का अंतर है। एन.सी.ई.आंर.टी. ने 2004 मे महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर की एक साल की बी.एड. पाठ्यक्रम और आर.आई.ई. के दो वर्ष के बी.एड. पाठ्यक्रम का तुलनात्मक अध्ययन किया था। जिसमें आर.आई.ई. के दो वर्ष के बी.एड. को प्रभावशाली है ऐसा परिणाम आया था। इसलिये क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल और बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय के बी.एड. पाठ्यक्रम का तुलनात्मक अध्ययन आवश्यक है।

5.4.2 समस्या कथन

"क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल और बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय के बी.एड. पाठ्यक्रम का तुलनात्मक अध्ययन"

5.4.3 उद्देश्य

1. क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल और बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय के बी.एड. पाठ्यक्रम के सामान्य मुद्दों का तुलनात्मक अध्ययन
2. क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल और बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय के बी.एड. पाठ्यक्रम के विषय वस्तु का तुलनात्मक अध्ययन
3. क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल और बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय के बी.एड. पाठ्यक्रम के मूल्याकंन का तुलनात्मक अध्ययन
4. क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल और बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय के बी.एड. पाठ्यक्रम के पाठ्योजना, सूक्ष्म शिक्षण, समय, पद्धति एवं इन्टर्नशिप का तुलनात्मक अध्ययन

5.4.4 प्रयुक्त सांख्यिकीय प्रविधियां

1. सर्वे पद्धति।
2. विषयवस्तु विश्लेषण।

5.4.5 प्रतिदर्श

प्रस्तुत शोध कार्य में प्रतिदर्श के रूप में 24+27 विद्वान, सहायक अध्यापक, लेक्चरर को लिया गया, जो भोपाल के क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान और बरकतउल्लहा विश्वविद्यालय से चयनित किया गया।

5.4.6 शोध में प्रयुक्त उपकरण

अध्ययन के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए शोधकर्ता द्वारा स्वनिर्मित प्रश्नावली और साक्षात्कार को प्रदत्तों के संकलन हेतु उपकरण के रूप में प्रयुक्त किया गया है।

5.4.7 प्रयुक्त सांख्यिकीय

अध्ययन के उद्देश्यों के अनुसार प्रदत्तों की सारणियाँ बनाई गई। उचित परिणाम प्राप्त करने के लिये प्रत्येक मूल्य का इकाई निहित प्रतिशत और काई–वर्ग ज्ञात किया गया है।

5.4.8 निष्कर्ष

1. बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय के विज्ञान शिक्षण पाठ्यक्रम, सामान्य मुद्दे को अंशतः पूरा करती है। लेकिन क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल का विज्ञान शिक्षण पाठ्यक्रम, सामान्य मुद्दे को ज्यादा पूरा करती है।

2. बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय के बीएड पाठ्यक्रम विज्ञान शिक्षण के विषय वस्तु के विभिन्न दिशाओं (Dimension) या मुद्दे (Issue) को अंशतः पूरा करती है। क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान विज्ञान शिक्षण पाठ्यक्रम के विभिन्न दिशाओं (Dimension) या मुद्दे (Issue) को ज्यादा पूरा करती है।

3. बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय और क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल के बीएड का विज्ञान शिक्षण पाठ्यक्रम के मूल्यांकन प्रणाली में काफी अंतर है। क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान में सतत: और आंतरिक मूल्यांकन होता हैं।

4. क्षेत्रीय शिक्षण संस्थान का शिक्षण अभ्यास, दिशा–निर्देशन, पाठ्य सहगामी कार्य, सत्रीय कार्य, इंटर्नशिप (40 दिन) तथा

शिक्षण विधियां, प्रायौगिक कार्य आदि बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय के विज्ञान शिक्षण में शिक्षण विधियां, सूक्ष्म शिक्षण, पाठ्योजना, इंटर्नशिप (15 दिन) आदि से ज्यादा प्रभावशील है।

5.4.9 शोध की परिसीमाएँ

- लघु शोध कार्य हेतु मध्यप्रदेश राज्य के भोपाल जिले के अन्तर्गत आने वाले बी.एड. महाविघालयों को चयनित किया है।
- बी.एड. के पाठ्यक्रम में 'विज्ञान शिक्षण विधि' के पाठ्यक्रम का ही तुलनात्मक अध्ययन किया है।
- भोपाल शहर से ही विशेषज्ञों की राय लि गई है।